अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस

All-India Trade Union Congress

24, Conning Lane,
NEW DELHI-1.

5

File No. 43

AITUC DIGITAL ARCHIVE - 2021

Folder Code: 5 File No. 43 S. No.

Digital File Code:

File Title: CPI - State offices

Year: 1980-83

Metadata: ✓ Scanned:

Note:

1983

C. P. I. - State offices
Other Than Delhi State

(NR)

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

मेरठ जिला कौंसिल

टेलीफोन : ७२८४१

'चन्द्रिका'
शिवाजी मार्ग,
मेरठ।

मंत्री :
ब्रजराज किशोर
एडवोकेट
सहायक मंत्री :
आबिद रिज़वी

T.U. Record

File

RECEIVED
25 FEB 1983
A.I.T.U.C.

पत्रांक ....

दिनांक 21.2.83.

General Secretary
AITUC
5, Canning Road
New-Delhi.

Dear Comrade,

A 'Sampradayik Virodhi' Workers Sammelan was held on 20.2.83 at SSD Inter College Hall Meerut, under the joint convenorship of local AITUC, HMS, & CITU leaders Bro. Raj Kishore, Com. Vireshwar Tyagi, & Com. Dharampal Singh. About Three hundred Delegates representing all leading Trade Unions affiliated to the said organisations, Federations, Bank Employees Union, LIC, GIC, PWD Employees Union, Textile Workers Bunkar Union, Electricity Workers Union, Gandhi Ashram Union, & other Union representatives, & Peasants Youth & Women representatives attended the Convention. Com. Bijendra Singh Vice-President U.P. Bank Employees Union, Com Narain Chaubey M.P., Smt Subhadra Joshi addressed the Convention.

The Reception Committee Chairman Shri Gyanendra Kumar

Jain, President of the Local Bar Association welcomed the delegates by a written statement.

In the end the statement of Conveners, & two resolutions were unanimously adopted.

The report of the Convention was reported in the 'Pradeshik Samachar' the same day on 20-2-83 in the 7-50 Hindi News broadcast of All India Radio. And from Lucknow Radio Broadcast, is expected to-day at 7.10 A.M. news Broad Cast.

The relevant documents are attached for perusal.

Comradely

(Signature)

BRIJ RAJ KISHORE

Convener

Sampradayikta Virodhi Workers Convention, Meerut

साम्प्रदायिकता विरोधी मजदूर सम्मेलन, मेरठ

दिनांक २०-२-८३

स्वागताध्यक्ष का अभिभाषण

सभापति जी, श्रमिक वर्ग, श्रमिक प्रतिनिधि वर्ग और अन्य साथियों !

आज मेरठ शहर की भूमि पर विभिन्न ट्रेड यूनियन संगठनों द्वारा आयोजित इस साम्प्रदायिकता विरोधी श्रमिक सम्मेलन की स्वागत समिति की ओर से मैं आपका सादर अभिनन्दन करता हूं।

साथियो ! मेरठ वह ऐतिहासिक नगर है जहाँ भारत के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के प्रथम विद्रोही सैनिकों की टुकड़ी ने काली पल्टन के मन्दिर के सामने अन्तिम मुग़ल शहंशाह बहादुरशाह जफर की सेना के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर अंग्रेजी शासन से स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिये १८५७ में शपथ ली थी। यह वह क्षेत्र है जहाँ मिली-जुली संस्कृति की प्रतीक खड़ी बोली (हिन्दी) और उर्दू दोनों ही भाषाओं ने जन्म लिया और परवरिश पाई व जहाँ नौचन्दी के मेले का चण्डी मन्दिर और बाले मियाँ का मजार हिन्दू-मुस्लिम सद्भाव के रूप में सारे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। वह शहर जो मुरादाबाद और अलीगढ़ के दंगों के समय भी अपने मस्तिष्क का सन्तुलन कायम रख सका। वही शहर पिछले सितम्बर व अक्टूबर के महीनों में एक घिनौनी साम्प्रदायिकता का शिकार हुआ। वह शहर जहाँ हिन्दू मुसलमान एक साथ मिलकर मुशायरे, व कवि सम्मेलन आयोजित करते थे, वह शहर जो एक गुलजार शहर था पिछले सितम्बर अक्टूबर में एक "उजड़ा दयार" बनकर रह गया, उस उजड़े दयार की नौतामीर के लिए उस खंडित भवन के नव-निर्माण के लिए आज इस सम्मेलन में स्वागत समिति मजदूर वर्ग, श्रमिक यूनियन व उनके प्रतिनिधि जन प्रतिनिधि और बुद्धिजीवियों का स्वागत करती है।

जब-जब साम्प्रदायिक दंगे होते हैं तो समाजवादी विचारधारा, समाजवादी परम्परा, गणतन्त्र और धर्म-निरपेक्षता, उनका पहला शिकार होते हैं। हर जगह साम्प्रदायिक दंगों क लगभग एकसा ही स्वरूप होता है। कहीं किसी छोटे जमीन

के टुकड़े पर निहित स्वार्थों का कब्रिस्तान या किसी अन्य धर्मस्थल के नाम पर विवाद, कहीं किसी सम्पत्ति को हड़पने के लिये या मजार या मंदिर की स्थापना का झगड़ा, कहीं बैण्ड-बाजे पर झगड़ा, कहीं लाउडस्पीकर पर झगड़ा, सब छोटे-छोटे झगड़े निहित स्वार्थी व्यक्तियों असामाजिक तत्वों और चन्द धर्मांध व्यक्तियों से प्रारम्भ होकर तमाम शहर को अपने शिकंजे में कस लेते हैं। जरा से धुयें की धूमिल रेखा कुछ ही देर में सारे शहर को अपने अंधेरे में ढक लेती है। चन्द व्यक्तियों के निहित स्वार्थ, चन्द असामाजिक तत्वों की गुण्डागर्दी छोटी सी साधारण घटना की चिंगारी धर्म के ठेकेदारों, राजनैतिक नेताओं और दोनों सम्प्रदायों के असामाजिक तत्वों द्वारा शै पर शै देकर बढ़ाई जाती है। और फिर चलता है करफ्यू का दौर, छुरेबाजी, लूट-पाट, आगजनी और प्रबन्धतन्त्र और राजनैतिक नेताओं का साजबाज और वोटों के ठेकेदार और स्वयंभू नेताओं का षड्यन्त्र। पिछले दिनों जो मेरठ में दंगे हुए उनका आधार कहाँ से शुरू हुआ। उस मन्दिर का झगड़ा—जो है भी नहीं, उस मजार का झगड़ा जिसका कहीं वजूद ही नहीं। मगर राजनैतिक धार्मिक नेताओं ने साम्प्रदायिक और असामाजिक तत्वों ने पूरे शहर को ठीक ऊपर से दो हिस्सों में बांट दिया। उस समय मेरठ में कोई मेरठ का शहरी नहीं रहा, कोई हिन्दुस्तानी ढूंढे से नहीं मिला। अपने को सेक्यूलर कहलाने वाली पार्टियों के नेता व कार्यकर्ता हिन्दू व मुसलमान कार्यकर्ता हो गये। साम्प्रदायिकता का जहर एक बार चढ़ने के बाद बहुत धीरे-धीरे उतरता है। साम्प्रदायिकता की जहरीली बेल पर समाजवाद के फूल नहीं आ सकते। इस पेड़ की छाया में न जनतन्त्र पनप सकता है और न समाजवाद पनप सकता है।

आज मजदूर संगठन और मजदूरों का सम्मेलन जो साम्प्रदायिकता के विरोध में आयोजित किया गया है। यह स्तुत्य है, यह एक सही पहल है—मेरठ से और भारत से साम्प्रदायिकता समाप्त करने के लिये। जब साम्प्रदायिक दंगे होते हैं, तो किसका खून सरे बाजार बहता है, किसकी झोंपड़ियों में व झौपड़पट्टियों में आग लगती है, किसके बच्चे भूख से करफ्यू में बिलबिलाते हैं, किसकी रोजी-रोटी पर लात लगती है, किसकी औरतों पर अत्याचार होते हैं, कौन लाठी, गोली का शिकार होता है? केवल शोषित, मजदूर, निर्धन और बेकस मरता है, वही अत्याचार सहता है, उसी का खून

बहता है, उसी की आजीविका जाती है। किसी दंगे में न कोई पूंजीपति मारा गया, न किसी मिल मालिक के साथ अत्याचार हुए, न किसी सरमायेदार की सम्पत्ति का विनाश हुआ। यह सब लोग तो दंगे भड़काते हैं उसी में इनका निहित स्वार्थ है, इसी से इनकी नेतागिरी चलती है। साम्प्रदायिकता और उसका दूसरा रूप जातिवाद, क्षेत्रवाद, वर्ग-संघर्ष की जड़ें काटते हैं। 'दुनिया भर के मजदूर एक हो' का नारा जातिवाद और साम्प्रदायिक वातावरण में झूठा नारा हो जाता है। साम्प्रदायिकता शोषितों में विघटन करती है उन्हें विभाजित करती है उनकी शक्ति का नाश करती है। साम्प्रदायिकता, साम्प्रदायिक दंगे, साम्प्रदायिक जहर, साम्प्रदायिक वातावरण सब शोषक वर्ग द्वारा शोषितों की शक्ति का विघटन करने की साजिश मात्र है। श्रमिक वर्ग के लिये शोषितों के लिये दलितों के लिये निर्बलों के लिये निर्धनों के लिए साम्प्रदायिकता का विरोध जीवन-मरण का प्रश्न है। आज आप इस सम्मेलन में श्रमिक-वर्ग की मौत-जिन्दगी की समस्या से जूझने के लिये साम्प्रदायिकता के विरोध में रणनीति बनाने के लिये विवेचन के लिये आत्म-विश्लेषण के लिये अपने दिलो-दिमाग के धुंधलके को साफ करने के लिये इस सम्मेलन में एकत्र हुए हैं, तो स्वागत समिति की ओर से मैं आपका खैर मकदम करता हूं।

भारतीय संविधान की भूमिका में अभी धर्म-निरपेक्षता और समाजवाद शब्द नये जोड़े गये हैं। हम भारत के नागरिक एक सर्वप्रभुता सम्पन्न, समाजवादी, धर्म-निरपेक्ष, जनतांत्रिक, गणराज्य के नागरिक होने का स्वप्न देखते हैं। देश की आजादी के ३५—३६ साल बाद भी धार्मिक साम्प्रदायिकता, साम्प्रदायिक दंगे और उसी के सगे रूप जातीय अत्याचार, सवर्णों के हरिजनों पर सामूहिक अत्याचार, इनकी महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार एक समाजवाद का सपना देखने वाले गणतन्त्र के माथे पर कलंक है। साम्प्रदायिकता की पथरीली और कंकरीली जमीन पर शोषण और प्रतिक्रियावादी केक्टस तो उग सकते हैं, मगर समाजवाद की खेती नहीं सकती। साम्प्रदायिकता, जातिवाद ऊँच-नीच इन सबका आधार सामाजिक शोषण है। भ्रष्ट और स्वार्थी राजनैतिक व साम्प्रदायिक पार्टियों ने अपने निहित स्वार्थोंके लिये साम्प्रदायिकता व जातिवाद को बढ़ावा दिया है। सत्ताधारी पार्टी भी अपनी वोट की

राजनीति के लिये साम्प्रदायिकता को बढ़ावा देती है। साम्प्रदायिकता व जातिवाद ने देश का राजनैतिक व सामाजिक वातावरण दूषित कर दिया है। साम्प्रदायिक पार्टियाँ शक्तिशाली होती जा रही हैं। यदि यह जहर इसी रफ्तार से बढ़ता गया तो हमारे देश में न जनतन्त्र रहेगा, न समाजवाद रहेगा और न धर्म-निरपेक्षता और न स्वतन्त्रता। ऐसी स्थिति में मजदूरों का, ट्रेड यूनियनों का, बुद्धिजीवियों का, पेशे के आधार पर बने संगठनों का एक ऐतिहासिक उत्तरदायित्व है। इन्हीं के द्वारा एक नये वातावरण की सृष्टि हो सकती है जिसमें एक धर्म-निरपेक्ष समाजवादी प्रभुसत्ता सम्पन्न गणराज्य की स्थापना सम्भव हो सकेगी। मजदूरों के इस सम्मेलन के सामने मजदूर सगठनों के सामने, बुद्धिजीवी संगठनों के सामने, व्यावसायिक संगठनों के सामने साम्प्रदायिकता एक चुनौती है। आइये, आप और हम सब मिलकर इस चुनौती को स्वीकार करें। एक आह्वान है समाजवादी आदर्श की ओर से, आइये उस आह्वान को हम निष्ठा के साथ मंजूर करें और इस सम्मेलन में विचार-विमर्श के बाद कुछ ठोस निर्णय लें और उन निर्णयों को अमली जामा पहनाने के लिये एक निश्चित कार्यक्रम तैयार करें। साथियो ! स्वागत समिति आपका स्वागत करती है इस चुनौती को स्वीकार करने के लिये। आपका अभिनन्दन करती है एक ऐतिहासिक और सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने के लिये, ताकि हम एक साम्प्रदायिक जहर से रहित और सामाजिक राजनीति, आर्थिक शोषण मुक्त समाज की स्थापना कर सकें, एक धर्म निरपेक्ष, प्रभुसत्ता सम्पन्न समाजवादी राष्ट्र का निर्माण कर सकें।

ज्ञानेन्द्र कुमार जैन
एडवोकेट

अध्यक्ष
स्वागत समिति,
साम्प्रदायिकता-विरोधी मजदूर सम्मेलन,
मेरठ।

साम्प्रदायिकता विरोधी मजदूर सम्मेलन

स्थान : एस० एस० डी० (बाएज) इंटर कालिज लालकुर्ती, मेरठ

दि० २०-२-८३ समय १२-०० बजे

संयोजक मण्डल का वक्तव्य

सम्मानित अध्यक्ष मण्डल, राष्ट्रीय मजदूर नेता, उपस्थित साथियो !

यह सम्मेलन विशेष समय और स्थिति में आयोजित किया जा रहा है। भू-मण्डल पर चारों ओर विश्व युद्ध पिपासु साम्राज्यवादी ताकतें जिनका नेतृत्व अमरीकी सत्ताधारी प्रशासन कर रहा है, विश्व देश प्रदेशों को परमाणु और दूसरे विनाशकारी शस्त्रों की होड़ में डुबाने में लगा है। विशेष रूप से दक्षिण अमरीका, अफ्रीका और एशियाई देशों पर भिन्न प्रकार की धौंस-पट्टी देकर उन्हें उक्त होड़ में झौंकने के निरंतर प्रयास करने में लगा है। नए उभरते राष्ट्रीय स्वतंत्र देशों की सरकारों को बाहरी और अन्दरूनी दखलन्दाजी द्वारा उलटने के प्रयास कर रहा है ; हिन्द महासागर में नए-२ फौजी नाविक बेड़े एकत्र करके डिएगोगार्सिया को एक बड़ा फौजी अड्डा बनाकर अमरीका से हजारों मील दूर, तेल-उत्पादक देशों और खाड़ी से लगे प्रदेशों के ऊपर दबाव डाल कर उनके शोषण का प्रयास कर रहा है। पश्चिमी क्षेत्र में इसराइली जंगबाज खूंखार सरकार को हर प्रकार से उत्तेजित करके बेरुत में अपनी मातृ-भूमि के लिये लड़ने वाले बहादुर फिलिस्तीनियों को अगम्य नरसंहार करके अन्याय के नए माप दण्ड पैदा किये हैं।

दक्षिण पूर्व में बहादुर कम्पूचिया हेमसेमिरिन सरकार को अपने एजेंटों से सांठ गांठ करके, एक मसनूही शीनुक सरकार का गुड्डा खड़ा करके, उसे पलटने के प्रयासों में लगा है। इधर दक्षिण कोरिया, जापान की सरकारों पर दबाव डाल कर फौजी दबाव व प्रभाव बढ़ाने की योजना बनाई जा रही हैं। अफगानिस्तान का बहाना बना कर पाकिस्तान को असाधारण फौजी साजोसामान से लैस किया जा रहा है। जिस से विशेष रूप से भारत की संप्रभुता और स्वतंत्रता को खतरा पैदा हो रहा है। अफगानिस्तान पाकिस्तान की सरहद पर ट्रेनिग कैम्प सज्जित करके बागी अफगानियों को प्रलोभन दे दे कर अफगानिस्तान की समृद्ध जन-वादी सरकार को उलटने के प्रयास किये जा रहे हैं और अशांति फैलाने के प्रयास चीन की साजिश से किये जा रहे हैं।

योरप में पश्चिमी नेटो देशों पर प्रक्षेपण मिसाइल स्थापित करने पर अमरीका दबाव डाल रहा है; और जिस से पूरे योरप को आणविक युद्ध का खतरा बढ़ता जाता है। सीमित युद्ध का बहाना करके उन्हें धोखे में रख कर अपना फौजी प्रभुत्व कायम करने के प्रयास कर रहा है।

परन्तु संतोष की बात यह है कि इन सब विध्वंसकारी गतिविधियों के विरोध में स्वयम् अमरीकी शान्तिप्रिय जनता इस युद्ध उन्माद के विरोध में जबरदस्त संगठित आवाज उठा रही है और जून ८२ में न्युयार्क में विश्व के सब से बड़े ऐतिहासिक जन-प्रदर्शन हुये। अमरीका के मित्र देश जरमनी तथा फ्रांस तक अमरीकी धौंस पट्टी में आने को तैयार नहीं हैं; और वहाँ की सरकारें और नेता भी इन अमरीकी प्रक्षेपण मिसाइलों का अपनी भूमि में रखने का विरोध कर रहे हैं जिसका समर्थन उन देशों की शान्ति प्रिय जनता भी जोरदार ढंग से कर रही है।

भारत में ७ मार्च ८३ से आयोजित सातवें गुटनिर्पेक्ष सम्मेलन में भी अमरीका अपने गुर्गे देशों, कम्पूचिया के प्रतिनिधित्व के सवाल को उठाकर, अफगानिस्तान जैसे प्रश्नों को उठाकर गुटनिर्पेक्ष देशों में फूट डालने के प्रयास कर रहा है। जिससे जो तीसरी दुनिया की ज्वलंत समस्याएँ राष्ट्रीय स्वतन्त्रता, एक स्वतन्त्र आर्थिक नीति; उनके बीच आपसी सदभाव; औद्योगिक; व्यापारिक; सांस्कृतिक सहयोग की संभावनाएं विफल हो; और भारत जो स्वतन्त्र, आर्थिक, राजनैतिक नीति का सु-प्रभाव गुटनिर्पेक्ष देशों पर है उस में कमी हो जाये; यह विघटनकारी साम्राज्यवादी प्रयास बराबर जारी हैं।

जहाँ तक राष्ट्रीय चित्र-पट की स्थिति है १९८० में सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस(इ) ने जनता से एक टिकाऊ सरकार के नारे पर वोट मांगी थी। जनता ने दोनों केन्द्र और प्रदेशों में हुये चुनावों में उसे भारी समर्थन देकर सरकारें कायम हुईं। परन्तु असाधारण राजनैतिक आर्थिक-संकट व कांग्रेस(इ) की अन्दरूनी फूट व गुटबंदी के कारण यदि आंध्र प्रदेश में दो वर्ष के अन्दर तीन बार से अधिक मुख्य मंत्री बदले गये व कर्नाटक में भी इसी कारण दो बार मुख्य मन्त्री बदले गये महाराष्ट्र में अंतुले व अन्य स्थानों के शासक पार्टी में फैले भ्रष्टाचार ने उसका चेहरा नंगा कर दिया। जनता ने परेशान हो कर तेलगूदेसम क्षेत्रीय सरकार आन्ध्र प्रदेश में और जनता-पार्टी कर्नाटक रंगा पार्टी के सहयोग से

(क्र० पृ० उ०)

सरकारें बनवा कर कांग्रेस (इ) को विफल बनाया—अभी भी गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान कांग्रेसी (इ) सरकारों के विरोध में उसी पार्टी के विधायकों के निरंतर प्रयास जारी हैं। और इस प्रकार स्थायी सरकार के नाम पर की सरकारें गुटबंदी और आपसी टकरावों के कारण एक के बाद एक गिरती जा रही हैं।

महंगाई आसमान को छूती जाती है—मेहनतकश, जीवनोपार्जन करने वाली जनता का जीवन दूभर हो रहा है, बेरोजगारी निरंतर बढ़ रही है। भ्रष्टाचार, काला बाजारी का बोलबाला है, न्याय व्यवस्था की स्थिति दिनों दिन बिगड़ रही है। दिन दहाड़े डाके व हत्याएं होती हैं। महिलाओं पर खुले अत्याचार और दहेज प्रथा निरंतर व्याप्त हो रही है—नौजवान दिशाहीन हो रहे हैं। किसान की कोई समस्या हल होती नहीं दिखाई देती, अपनी पैदावार का उसे उचित मूल्य भी नहीं मिलता और अपने प्रयोग की वस्तुओं बीज, खाद, पानी, बिजली की दरें दिनों दिन बढ़ रही हैं। गन्ने का साठ प्रतिशत जो मिलों पर नहीं जाता, क्रेशर मालिक आठ व दस रु० क्विंटल तक के दाम उसे देकर खुली किसान की लूट कर रहे हैं।

इन बुराइयों के विरोध में उभरते हुवे जन-आक्रोश को संगठित कर मजदूर, किसान, नौजवान संघर्ष करना चाहता है। इस स्थिति, जन-आक्रोश और असंतोष का अनुचित लाभ उठा कर सांप्रदायिक जातिवादी और कुछ क्षेत्रीय पार्टियां और नेता जन-संघर्षों में फूट डालकर उन्हें असफल करना चाहती हैं। और इस बारे में शासक पार्टी की भूमिका भी संदिग्ध है। बिश्व हिन्दू परिषद, जमाएते इसलामी जैसी सांप्रदायिक संगठन और पार्टियां जनता को धर्म के नाम पर, क्षेत्रीय पार्टियां जैसे असम में, खालिस्तान का नारा देकर पंजाब में, तेलेगू-देसम भी क्षेत्रीय भावनाएं उभार कर ही जिस पार्टी को राजनैतिक न कोई इतिहास और न संगठन है, महाराष्ट्र की शिव सेना यह तत्व और पार्टियां देश और समाज में अंतरघात करके, संघर्षशील मजदूर, किसान, नौजवान, महिलाओं के उभरते संघर्षों को असफल बनाने में लगी हैं जिस से सरमाएदार साम्राज्यवादी-समर्थक तत्व देश और समाज को कमजोर करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

इस खतरे का सामना सबसे मजबूत और प्रभावित रूप से मजदूर वर्ग जो समाज का हर समय और हर देश में हरावल दस्ता रहा है अपने को संगठित करके वेदारी के साथ कर सकता है। सांप्रदायिक झगड़े और अशांति से यदि सब से अधिक समाज के किसी अंग को हानि होती है तो वह मेहनतकश मजदूर जीवनोपार्जन करने वाला मजदूर-वर्ग है। सांप्रदायिक उन्माद में मारे जाते हैं तो गरीब मजदूर, मेहनतकश, झोपड़ियों उसकी जलती है। बिरले ही किसी समृद्ध की कभी सांप्रदायिक दंगों में हत्या होती हैं, न बड़े बंगले व कोठियां जलाई जाती हैं—केवल झोपड़ियों और कच्चे मकान ही जलाए और बरबाद किये जाते हैं। हरिजनों को उभार कर गुमराह करके अल्पसंख्यकों जिनकी सामाजिक समस्याएं एकसी है उन के बीच वैमनस्य और घृणा पैदा की जाती है।

आइये इस सम्मेलन द्वारा मेरठ नगर को सितम्बर अक्तूबर ८२ में पीछे हुए सांप्रदायिक दंगों द्वारा जो गंभीर जान और माल की हानि हुई है इस प्रकार की घटनाएं भविष्य में न हों और सांप्रदायिक उन्माद फैला कर सांप्रदायिक संगठन और नेता निजी राजनैतिक हितों के लिये तबाही न कर सकें—हम यह दृढ़ संकल्प करते हैं, और समय रहते हुवे सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय कुप्रभावों और प्रचार का डट कर निर्भीक रूप से सामना करेंगे।

आम जनता कभी सांप्रदायिक जातीय, क्षेत्रीय अशांति और बर्बादी नहीं चाहती—केवल थोड़े से गुट और पार्टियां ही इस काम में अग्रसर होती हैं—धर्म शांति और सद्भाव का प्रतीक और द्योतक है—नानक और गोविंद सिंह जिन्होंने न केवल देशवासियों परन्तु विश्व में भाईचारे और मोहब्बत का प्रचार किया था आज उनके नाम पर कुछ लोग विशेषाधिकारों की रक्षा के लिये जनता को धर्म और जाति के नाम पर काटने में लगे हैं। 'वसुधैव कुटुम्ब-कम' वाले संतों के अनुयायी धर्म की दुहाई देकर समाज और जनता को फांट देना चाहते हैं। आइये हम विशेषरूप से मजदूर संगठन और कार्यकर्ता अपने हित और जिम्मेदारियों को समझ कर संगठित रूप से इस विष फैलाव का सामना करें। यदि मजदूर-वर्ग की धर्म, जाति, और क्षेत्र के नाम पर बंट जायेगा तो कौन देश की प्रगति, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और दूसरे जन-समस्याओं के लिये सघर्ष करेगा—यदि सम्मेलन में उपस्थित, संगठन और साथी इस संकल्प को लेकर यहाँ से जावेंगे और सघर्ष की दुंदभी भी बजवावेंगे, तभी इस सम्मेलन को सफलता प्राप्त होगी।

धन्यवाद।

ब्रजराज किशोर, एडवोकेट
संयोजक
वीरेश्वर त्यागी, एडवोकेट
धर्म पाल सिंह, एडवोकेट
सह-संयोजक

मेरठ
दि० २० फरवरी ८३

// साम्प्रदायिक विरोधी मज़दूर सम्मेलन //

मेरठ : 20 फरवरी 83

1. शोक प्रस्ताव :

मेहनतकशों का साम्प्रदायिकता विरोधी मज़दूर सम्मेलन भारत के उन नागरिकों के असामयिक एवम् दुखद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है जिसकी मौत मेरठ, बड़ौदा और अन्यत्र साम्प्रदायिक दंगों में हुई है और शोक संतप्त - परिवारों के प्रति हृदय गत संवेदना व्यक्त करता है ।

पूर्व नियोजित साम्प्रदायिक दंगों में इस प्रकार का मानव-संहार इन्सानियत को चुनौती है । मानवीय संस्कारों की माँग है कि इन बेनसीब नागरिकों के आश्रितों की मिलजुल कर सहायता की जाय । राज्य सरकार का फर्ज है साम्प्रदायिक असामाजिक तत्वों और पी0एस0सी0 जुल्म के शिकार नागरिकों के आश्रितों के सहायतार्थ समुचित मुआवजा दें ।

2. सम्मेलन में स्वीकृति-हेतु वक्तव्य का मसविदा विचारार्थ :-

मेहनतकशों का साम्प्रदायिकता-विरोधी मज़दूर सम्मेलन उत्तर प्रदेश और अन्य प्रदेशों में साम्प्रदायिक दंगों और नेत्तीय टकराव जो ऐसे समय में जब मेहनतकश मूल्यवृद्धि, बेकारी, बैठकी, तालाबन्दी एवं कारखाना बन्दी से पीड़ित हैं और अपने हितों के रक्षार्थ संघर्ष कर रहे हैं, की पुनरावृत्ति पर गहरी चिन्ता और क्षोभ व्यक्त करता है, साम्प्रदायिक दंगे और अलगाववादी प्रवृत्तियां मेहनतकशों की कतारों में दरार डालती है और उनकी एकता को खण्डित करती है ।

साम्प्रदायिक और अलगाववादी शक्तियां, ऐसे समय में जब अमरीकी साम्राज्यवाद शासक हिन्द महासागर में फौजी अड्डा बना रहे हैं और अपने अपने देश की आजादी एवं सार्वभौमिकता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, राष्ट्रीय एकता और खण्डीय समन्वय को भी खण्डित करती है ।

साम्प्रदायिक शक्तियां, जिनकी नुमाइन्दगी राष्ट्रीय स्वयम् सेवक संघ और उसका संघ विश्व हिन्दू परिषद् और जमाते-इस्लामी और मजलिसे-मुशावरत जैसे संगठन जिनका रिश्ता आलमे-इस्लामी से है करते हैं ने राष्ट्रीय आन्दोलन और स्वतन्त्रता - संग्राम की धर्म निरपेक्ष, जनतान्त्रिक, साम्राज्यवाद-विरोधी परम्पराओं को और मेहनतकशों की वर्गीय एकता को चुनौती दी है । यह प्रतिक्रियावादी और अर्ध-फौजी संगठन जिनकी प्रवृत्ति फासिस्ट है और जिन्हें देश के निहित स्वार्थों एवं बहुराष्ट्रीय संगठनों का, जो मजदूरों, खेत मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों एवं नौजवानों के संघर्षों में बिखराव पैदा करना चाहते हैं, का समर्थन प्राप्त है और जिन्हें साम्राज्यवादियों का भी समर्थन हासिल है हमारे देश

...पीछे

की आजादी के खिलाफ साम्राज्यवादी साजिशों, अन्य देशों में साम्राज्यवादियों के प्रति क्रान्तिकारी हस्तक्षेप और मानवता को न्यूक्लिक पर युद्ध में डुबोने के प्रयासों का समर्थन करती है ।

यह सम्मेलन इस हकीकत को नोट करता है कि स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकारें इन साम्प्रदायिक एवं प्रतिक्रियावादी शक्तियों से निपटने में नाकामयाब साबित हुई है । उन्होंने परोक्ष और अपरोक्ष रूप से उनकी मदद भी की है । बड़ौदा में साम्प्रदायिक दंगे के संदर्भ में गुजरात के मुख्य मन्त्री को बड़ौदा जाने की सलाह प्रधान मंत्री को देनी पड़ी उत्तर प्रदेश में मुख्य मंत्री ने एक दिन रात 10 बजे से प्रात: 6 बजे का समय मेरठ में बिताया लेकिन उन्होंने मेरठ में साम्प्रदायिक दंगों से निपटने हेतु धर्म निरपेक्ष एवं जनतान्त्रिक राजनैतिक दलों से अनौपचारिक सम्पर्क तक नहीं किया है । मेरठ में लम्बी अवधि तक जारी पूर्व-नियोजित साम्प्रदायिक से उत्पन्न गम्भीर स्थिति और अन्य नगरों पर उसके प्रभाव पर विचार करने हेतु राज्य विधान मण्डल के सदनों की बैठक बुलाना तो दूर रहा ।

यह सम्मेलन संजीदगी से एलान करता है कि धर्म निरपेक्ष, जनतान्त्रिक, समाज-वादी विचारों के मेहनतकश साम्प्रदायिक एवं अलगाववादी प्रतिक्रियावादी शक्तियों की चुनौती को दृढ़-संकल्प के साथ स्वीकार करते हैं और राष्ट्रीय आन्दोलन एवं स्वतन्त्रता संग्राम की धर्म निरपेक्ष, जनतान्त्रिक, साम्राज्यवाद-विरोधी परम्पराओं की शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी की परम्परा को पुर्नजीवित और सुदृढ़ करने साम्प्रदायिकता एवं अलगाव वाद के खिलाफ प्रबल जनमत लामबन्द और संगठित करने का व्रत लेता है ताकि इन प्रतिक्रियावादी शक्तियों को पराजित किया जा सके ।

साम्प्रदायिक दंगों और अलगाव वादी बुराइयों से प्रशासकीय कार्यवाही के माध्यम से ही नहीं निपटा जा सकता । इनके विरुद्ध सामाजिक-राजनैतिक अभियान लाजिमी है और यह सम्मेलन निर्णय लेता है कि धर्मनिरपेक्ष, जनतान्त्रिक, समाजवादी संगठनों एवं व्यक्तियों को बगैर भेदभाव के एकजुट करते हुए प्रतिक्रियावादी शक्तियों के खिलाफ एकतावद्ध अनवरत अभियान चलाएगा ।

यह सम्मेलन इस हकीकत को भी नोट करता है कि यह प्रतिक्रियावादी शक्तियां नागरिकों के एक हिस्से को गुमराह करने में इसलिए कामयाब होती है कि राष्ट्रीय आंदलोन की परम्पराओं का ह्रास हुआ है, बेकारी और विकास कार्य में क्षेत्रीय असमानता और पूंजीवादी व्यवस्था के संकट की पृष्ठभूमि में नैतिक मूल्यों में गिरावट आई है और सम्मेलन निर्णय लेता है कि भाषण माला, से मिनार, आदि संगठित करके नई पीढ़ी को राष्ट्रीय

...3 पर

आन्दोलन परम्पराओं और स्वतन्त्रता सेनानियों की वीर-गाथा से परिचित करेगा, धर्मनिरपेक्ष, जनतान्त्रिक और समाजवादी चेतना उजागर करेगा, बेकारी और विकास में क्षेत्रीय असंतुलन से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु उन्हें शिक्षित करेगा, लामबन्द और संगठित करेगा और नैतिक मूल्यों को पुर्नस्थापित करेगा ।

सम्मेलन को विश्वास है कि मजदूर वर्ग जिसने राष्ट्रीय आन्दोलन और मुकम्मिल आजादी के संघर्ष में प्रभावी हिस्सा लिया है और मौजूदा चुनौती से निपटने अपनी वर्गीय एकता को सुदृढ़ बना कर उसकी नींव पर सकल राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय समन्वय कायम करने में कामयाब होगा देश की आजादी एवं सार्वभौमिकता की रक्षा करेगा, विश्व-शान्ति की सुरक्षा में योगदान देगा और मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण को समाप्त कराएगा ।

यह सम्मेलन साम्प्रदायिकता एवं अलगाववादी शक्तियों के विरोध में गठित मेहनतकशों की संयुक्त समिति से सिफारिश करते है कि सभी औद्योगिक केन्द्रों में इस प्रकार के संयुक्त सम्मेलन किए जाए ।

Copy

28. 1. 1983

Com. S.S. Negi,
Secretary,
District Council, C.P.I.,
84. Paltan Bazar,
DEHRA DUN.,
Uttar Pradesh.

Dear comrade,

This is to acknowledge the copy you sent me of your letter dated 17.12.82 addressed to Com.Sarjith Pandey regarding trade union work in Dehra Dun.

I quite appreciate the problems created by Com.Datta's death, and the real need for an efficient wholetimer. I discussed the matter with Com.Pandey and other leading U.P. comrades when I was in Lucknow on January 23rd and 24th. However, they say the U.P. State Council is not in a position at present to maintain a wholetimer at Dehra Dun, due to lack of financial resources.

In this respect, I am afraid AITUC also cannot help. My only suggestion is that the various unions in Dehra Dun should take quotas and contribute a certain guaranteed amount every month (they will all be benefited by the services of a wholetimer), and then you can approach Com.Sarjith Pandey to make up the balance.

Greetings,

(INDRAJIT GUPTA)
General Secretary

c.c. Com. Sarjith Pandey,
Secretary,
U.P. State Council, C.P.I.,
Kaisar Bagh,
LUCKNOW.

U.P.

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
District Council.
८४-पल्टन बाजार; देहरादून।

Communist Party Of India

District Council
84-Paltan Bazar, DEHRA DUN.

RECEIVED 3 JAN 1983 A.I.T.U.C

Date 17.12.1982.

A.I.T.U.C 3 JAN 1983 RECEIVED
Replied 28/1/83

Com. Sarju Pandey,
Secretary,
U.P. State Council, Communist Party of India,
22, Kesar Bagh Lucknow.

Dear Comrade,

I have been directed by the Executive Committee of the Party Unit, Dehradun to place before the State Council which is being held at Lucknow from 17th, 18 th and 19th Dec '82. The problem of Party's affairs and serious crisis in the Trade Union Organisation in our District.

As you know Com. Datta's death has created a vaccum in Trade Union Front, and people outside our Organisation trying to take the advantage of the present crisis. The I.N.T.U.C., B.M.S., and C.I.T.U. are trying to capture some of our Unions.

Besides Com. Datta's death, some of our old comrades are ill and physically unfit to work. Com. Brijendra Kumar and Com. Mela Ram are sick, even Com. Nitai Ghosh is also ill now-a days. In the above circumstances, we have few persons to work for Party or Trade Union Organisation. Dehradun being the very important place, all political parties pay their attention to lead in Dehradun. Therefore, we must think over it very seriously.

We need a whole time worker to carry out the Party's programme and we also need a worker in Trade Union Front and to look after the Labour cases in Labour Court. We have the person to deployed as whole time worker but the question of his maintenance is a problem for us. At present, we are not in a position to maintain the whole time worker from our resources. Either the State or the Central Leadership shall have to take some responsibility for the maintenance, at least for a year or two.

We earnestly request you to please help us and guide us at this critical juncture and send some senior Com. to Dehradun to disscuss the matter fully.

With greetings,

Yours fraternity,

(Shichand Singh Negi)
Secretary
District Council, D.Dun

Copy to A.I.T.U.C General Secretary

EXPRESS

BHOWANI ROY CHOUDHURY
CARE COMMUNIST PARTY OF INDIA
MAKHDOOM BHAVAN
HIMAYAT NAGAR
HYDERABAD - 500 029

JUTE MEETING ON SIX DECEMBER POSTPONED NEW DATE

NOT YET DECIDED

INDRAJIT GUPTA

Sent at : 1230
Tele : 386427
Date : 2. 12. 1982

Express

GIRI PRASAD
COMMUNIST PARTY
MAKHDKOM BHAVAN
HIMMAYATNAGAR
HYDERABAD

ARRIVING 25th EVENING FLIGHT 403

INDRAJIT

Sent at 12.30.
On 24.11.82
Tele: 38627

Express.

GIRI PRASAD
COMMUNIST PARTY
MAKHDOOM BHAVAN
HIMMAYATNAGAR
HYDERABAD

ARRIVING 25th EVENING
FLIGHT 403

Sent At 12-30 Noon. INDRAJIT.
on 24.11.82
Tele: 386427

2.6.82

Comrade Shankar Sen,
C.P.I. Office,
Benachity,
Durgapur - 713213.

Dear Comrade,

Received your p.c. of 31.5.82, and the earlier letter also.

Today I have written another letter to Sur and Rakshit. A copy is enclosed for your information.

Greetings,

(INDRAJIT GUPTA)
General Secretary

enclo: a/a.

SARJOO PANDE MLC
COMMUNIST PARTY
KAISERBAGH
LICKNOW

AITUC CONGRATULATES ALL SATYAGRAHIS AND DEMONSTRATORS PROTESTING ATTACK ON TRADE UNION RIGHTS IN MIRZAPUR AND GHAZIABAD/WISH YOU ALL SUCCESS

INDRAJIT GUPTA

25.6.81 at 1.45 P.M. 386427

c/o Com. Krishna Parvathi

25th JUNE 1981

To

Coms. Sunil Mukherjee
" Jagannath Sarkar
" Ratan Roy
Communist Party Office
Ajoy Bhavan
Langartoli
P A T N A - 4.

Dear Comrades,

Today I have received a letter (in Hindi) from the General Secretary, McDowell Workers' Union, Hathidah, Com. Ram Naresh Singh.

The sum and substance of the letter is that the Union Conference, held recently, has decided to disaffiliate the Union from the AITUC, because the workers have "lost faith in the AITUC"; which is doing them more harm than good.

I do not know whether this is the beginning of a new tactics of disruption. This is the first letter of its kind received by us. It may not be the last.

The President of the Union is Com. Ratan Roy. Perhaps he can throw some light in the matter?

Please treat this as urgent and write to us after making necessary inquiries.

With greetings

Yours fraternally

Indrajit Gupta

(INDRAJIT GUPTA)
GENERAL SECRETARY

Phone : 22-777

UTKAL STATE COUNCIL

COMMUNIST PARTY OF INDIA

ଉତ୍କଳ ରାଜ୍ୟ ପରିଷଦ, ଭାରତୀୟ କମ୍ୟୁନିଷ୍ଟ ପାର୍ଟି

DAGARPARA-BRAHMAN SAHI,
CUTTACK-2
Pin : 753002

RECEIVED 31 JAN 1980 A.I.T.U.C.

16-Ashok Nagar,
Bhubaneswar-9

Ref

Date.....19

Dear Friend,

This is a pleasure to inform you that the State Party Headquarters has shifted from Cuttack to its New Building in Bhubaneswar, Capital of Orissa.

All correspondences, if any, may please be sent in the following Address. All literatures sent to the old Address at Cuttack please hence forth be sent in the New Address:-

UTKAL STATE COUNCIL
COMMUNIST PARTY OF INDIA
BHAGABATI BHAWAN
16- ASHOK NAGAR
UNIT NO- II.
BHUBANESWAR- 9, ORISSA
PIN- 751 009
PHONE NO.- 53618

With Greetings.

Yours fraternally

Nandakishore Patnaik

SECRETARY

General Secretary,
AITUC

SHISHUPAL SINGH
119/205 OMNAGAR
KANPUR

MEET GOMTI EXPRESS KANPUR STATION SUNDAY

18TH EVENING FOR PROGRAMME 19TH AND 20TH

SRIWASTAVA

जिला कौन्सिल
फोन न०
भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
७, नारायणी धर्मशाला परेड,
कानपुर।

क्रमांक

दिनांक 9/5/80

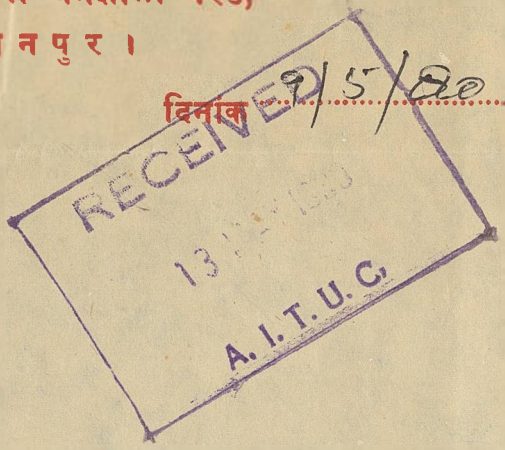

RECEIVED 13 ... 1980 A.I.T.U.C.

का० के०जी०श्रीवास्तव,
मंत्री,
{ए०आई०टी०यू०सी०}
24 केनिंग लेन,
नई दिल्ली।

प्रिय साथी,

चुनाव प्रचार शुरू हो गया हैं मीटिंग भी हो रही हैं।गोविन्द नगर विधान सभा क्षेत्र से पार्टी ने मुझे लड़ने का निश्चय किया हैं इस क्षेत्र मे मजदूर वोट काफी बड़ी संख्या में हैं। डिफेन्स कर्मचारी भी काफी बड़ी तादाद मे हैं। अत: आपका आना अति आवश्यक हैं।अत: आप अपना कीमती समय निकाल कर अतिशीघ्र समय देने की कृपा करें। और इसकी पूर्व सूचना मुझे भेज दें जिससे कार्यक्रम बनाया जा सकें।

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित।

मंत्री,
उ0प्र0 राज्य कौसिंल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
22 केसर बाग, लखनऊ।

सभिवादन

आपका साथी
[signature]
{शिशु पाल सिंह}

U.P.
file

119/205 [illegible]
कानपुर
दि. 10/5/80

मान्य श्री जी. श्रीवास्तव
सदस्य [illegible]

आपका एक पत्र कानपुर आने के सम्बन्ध में आमन्त्रण स्वरूप मिला दिया है उसकी एक कापी [illegible] पार्टी को भी भेज दिया है। आप अपना [illegible] (... [illegible]) मिलना।

श्री एल. एस. वर्मा को भी मिला है उनका निजी statement [illegible] है। वह कानपुर आकर मिल जाय तो [illegible] [illegible] में [illegible] आपकी [illegible] [illegible] [illegible] मैं आ सकूं तो आप [illegible] को भी statement दी [illegible] भी [illegible] हो [illegible] कहें।

इस सिलसिले पर
[illegible]
[signature]

RECEIVED
14 M
A. I. T. U. C.

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत
25 INDIA 25

Com. A. G. Srivastava
Gen. Secy AITUC
24, Canning Lane
NEW DELHI

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

Shishu Pal Singh
119/205 Om Nagar
Kanpur

पिन PIN

खोलने के लिए यहाँ काटें TO OPEN CUT HERE

May 2, 1980

Dear Comrades,

With reference to circular letter of April 29, 1980 from the Central Office of CPI, regarding election campaign programme, please let me know the centres and the approximate dates I am expected to visit.

On hearing from you, we will ~~agree~~ fix on the dates mutually convenient.

With greetings,

Yours fraternally,

(K. G. SRIVASTAVA)

Secretariat,
Communist Party of India,
Uttar Pradesh/Maharashtra.

Com. K.G.

COMMUNIST PARTY OF INDIA

Central Office, AJOY BHAVAN, Kotla Marg, New Delhi-110 002

phone nos.273618/272149/273610/272000::: 276180(after office hours)

New Delhi,
April 29,1980

To:
Secretaries of State Councils
of Bihar, U.P., Madhya Pradesh, Rajasthan,
Maharashtra, Orissa, Punjab, Tamilnadu and
Gujarat

Subject: Election Campaign-Programme
of leading comrades at the Centre

Dear Comrades,

The following programme has been drawn up for the leading comrades at the Party Centre for the election campaign in the coming elections to the State Assemblies:

Programme

1.	Rajeswara Rao	Bihar (May 16 to 18): U.P.(May 20-25)
2.	N.K.Krishnan	Tamilnadu : U.P. and Punjab -TU centres including Kanpur & Ludhiana
3.	M.N.Govindan Nair	Tamilnadu
4.	Jagannath Sarkar	Bihar
5.	Indradeep Sinha	Bihar
6.	Indrajit Gupta	Orissa, U.P.; Indore; Amritsar
7.	Rajasekhara Reddi	Orissa -Ganjam District
8.	Raj Bahadur Gour	Madhya Pradesh, Maharashtra and Rajasthan (TU Centres)
9.	Mohit Sen	Gujarat
10.	Dr.Z.A.Ahmad	U.P.
11.	Kalishanker Shukla	U.P.
12.	Parvathi Krishnan	Tamilnadu
13.	M. Farooqi	Maharashtra (2 days) and U.P.
14.	H.K.Vyas	Rajasthan
15.	Perin Romesh Chandra	Madhya Pradesh and U.P.
16.	Vimla Farooqi	Punjab
17.	K.G.Shrivastava	U.P. and Maharashtra
18.	N.D.Sundriyal	U.P. (Hill Districts)
19.	Amarendra Narayan Sinha	Bihar
20.	Anil Rajimwale	Bihar

2/. . .

21. Litto Ghosh — Punjab
22. Bani DasGupta — Bihar

The State Council Secretaries are requested to immediately get in touch with the comrades assigned to their states for the election campaign and fix up their programme directly. The comrades should also be informed when and where their programme commences.

Greetings,

C. Rajeswara Rao

(C.Rajeswara Rao)
General Secretary

Copy to - Comrades C.Rajeswara Rao, N.K.Krishnan, M.N.Govindan Nair, Jagannath Sarkar, Indradeep Sinha, Indrajit Gupta, Rajasekhara Reddi, Raj Bahadur Gour, Mohit Sen, Z.A.Ahmad, Kalishanker Shukla, Parvathi Krishnan, M.Farooqi, H.K.Vyas, Perin Romesh Chandra, Vimla Farooqi, K.G.Shrivastava, N.D.Sundriyal, Amarendra Narayan Sinha, Anil Rajimwale, Litto Ghosh and Bani DasGupta

with a request that they get in touch with the State Council Secretaries of the States assigned to them for the election campaign and fix up their exact programme.